

13-3-19

उदयपुर

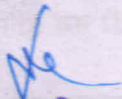
पत्रावली पेश हुई। प्राथीगण केकेकेके उपरिमत
 है। अप्राथी अनुपरिमत है। अप्राथी की कोर
 से वकालतपत्र पेश नही हुआ है। अप्राथी को
 तीव्र का आवाज लगावाई गई। फिर भी अनुपरिमत
 है। अतः अप्राथी के विरुद्ध एक तरफा
 कार्यवाही अमल में लाई जाती है। प्राथीगण पर
 एक तरफा बहस खूनी गई। विवादग्रस्त शक्ति
 मौजा बन्जारिया पहवाट हलगा बन्जारिया वहीसी
 खेरावा जो प्राथी के विरुद्ध विलेख दि० 19-7-02
 में दर्ज आराजीमत प्राथी के हेतुसि क्वारंटरी
 भूखि है। उसका एक वाद आलागि धारा 53, 88
 188 A T Act के तहत न्यायालय में विचारार्थ
 है। प्राथीगण पर का अयलोकन कर्तरी प्रथं एक
 तरफा बहस पर मतन कर्त प्रह आदेम लिखा
 जाता है कि अप्राथी सै०। मूल वाद के निस्कारन
 तक प्राथी के कर्तरी की वादग्रस्त शक्ति में
 किसी प्रकार का कर्तरी नही करे प्रथं न
 ही किसी आशय में करे। वादग्रस्त शक्ति
 - निरन्तर -

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख अ
हुक्म की तामील

कि रिफार्ती पत्रावत बन्नाम रब् (अप्राधी) का मूल
वाद के निस्तारण तक जरिफे फरसचाई तिसे ध्याई
के पाबन्द किजा जाता है। पत्रावत फेरसल
शुमार दोकर नम्बर के काम हवे तथ मुल
वाद पत्र के साथ नल्पी है।


उपसुण्ड अधिकारी
खरवाडा जि उदयपुर